

## लोक प्रशासन (प्रश्न-पत्र-II)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

## प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

## PUBLIC ADMINISTRATION (PAPER-II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

## QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए :

Answer the following in about 150 words each :

10×5=50

- (a) मुगल प्रशासन में भारतीय और गैर-भारतीय तत्वों का संयोजन शामिल था। विवेचना कीजिए।

Mughal administration incorporated a combination of Indian and extra-Indian elements. Discuss.

- (b) नौकरशाही मूल्यों और लोकतान्त्रिक मूल्यों में स्थिर और निरन्तर टकराव रहता है जिससे विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। क्या आप सहमत हैं? विस्तार से समझाइए।

There is a constant and continuous collision between bureaucratic values and democratic values which adversely affects development. Do you agree? Elaborate.

- (c) संसदीय समितियाँ, संसदीय कार्य के विचारोत्तेजक केन्द्र (कोर) पर हैं जो कि विधायी शोधन के लिए महत्वपूर्ण है। विस्तार से समझाइए।

Parliamentary committees are at the deliberative core of parliamentary work which is crucial for refining legislations. Elucidate.

- (d) भारतीय विविधता को ध्यान में रखते हुए 'एक-आकार-सभी-के-लिए' नियोजन सूत्र को सांकेतिक नियोजन के पक्ष में रद्द किया गया। भारत के लिए यह किस हद तक लाभदायी रहा है?

Considering India's diversity, the planning pattern of 'one-size-fits-all' was discarded in favour of indicative planning. To what extent has it been useful to India?

- (e) भले ही सभी राज्य एकसाथ मिल जाएँ, वे वस्तु एवं सेवा कर (जी० एस० टी०) परिषद् में निर्णय लेने में अपनी बात नहीं मनवा सकते, जब तक कि संघ सहमत ना हो। भारत में संघवाद के परिदृश्य में इसका विश्लेषण कीजिए।

Even if all the States combine together, they cannot have their way in the decision-making in the GST Council, unless the Union agrees to it. Analyze this in the perspective of federalism in India.

2. (a) शासन में जिला प्रशासन सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। ज्यादातर केन्द्रीय एवं राज्यीय योजनाएँ एवं कार्यक्रम जिला प्रशासन की ओर निर्देशित किये जाते हैं। इस संदर्भ में जिला प्रशासन के समक्ष चुनौतियों और समस्याओं का विवेचन कीजिए।

District administration is the most important unit in governance. Most of the Central and State Government schemes and programmes are directed towards the district administration. In this context, discuss the challenges and problems posed to the district administration.

20

- (b) भारत के संविधान का संरचनात्मक भाग व्यापक परिमाण में भारत सरकार अधिनियम, 1935 से लिया गया है, जबकि दार्शनिक भाग के कई अन्य स्रोत हैं। दार्शनिक भाग के स्रोतों की विवेचना कीजिए।

The structural part of the Constitution of India is to a large extent derived from the Government of India Act, 1935, whereas its philosophical part has many other sources. Discuss the sources of the philosophical part.

20

- (c) भारत की लोक सेवाएँ ब्रिटिश राज से विकसित हैं। इन सेवाओं के भारतीयकरण का पथ निर्धारण कीजिए।

The public services in India are an evolution of the British Raj. Trace the Indianization of the services.

10

3. (a) क्या सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख निकायों का निजीकरण भारत में लोक हित के लिए अच्छा संकेत है? उपयुक्त उदाहरणों सहित विवेचना कीजिए।

Does the privatization of key public sector bodies augur well for welfarism in India? Discuss with suitable illustrations.

20

- (b) लोकतांत्रिक मूल्यों की भावनाओं की आवश्यकता है कि न्यायपालिका की स्वतन्त्रता पूर्ण रहे। यह सही अवसर है कि अखिल भारतीय न्यायिक सेवा (ए० आइ० जे० एस०) की स्थापना की जाती। विस्तार से समझाइए।

The spirit of democratic values requires that the independence of judiciary remains absolute. It is high time that the All India Judicial Service (AIJS) was created. Elaborate.

20

- (c) समय की माँग है कि भारतीय निर्वाचन आयोग एवं उसके आयुक्तों को सुदृढ़ किया जाए। इसको अधिक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष करने के लिए सुझाव दीजिए।

To strengthen the Election Commission of India and its commissioners is the need of the hour. Suggest measures to make it more independent and impartial.

10

4. (a) वर्तमान महामारी की स्थिति के संदर्भ में राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का परीक्षण कीजिए। समस्याओं को पहचानिए और सुधार के सुझाव दीजिए।

Examine the National Health Policy in the context of the current pandemic situation. Identify the problems and suggest improvements.

20

- (b) सरकारों के बनने और विघटन में राज्य विधान-सभा के अध्यक्ष ने महत्वपूर्ण भूमिका हासिल कर ली है। गठबंधन सरकारों की परिस्थितियों में उदाहरण सहित परीक्षण कीजिए।

The Speaker of the State Assembly has assumed a significant role in formations and dissolutions of governments. Examine under the circumstances of coalition governments with examples.

20

- (c) जिला स्तर पर पुलिस, जिला दण्डनायक के समग्र पर्यवेक्षण और नियन्त्रण में कार्य करती है। टिप्पणी कीजिए।

At the district level, police functions under the overall supervision and control of the District Magistrate. Comment.

10

#### खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए :

Answer the following in about 150 words each :

10×5=50

- (a) लोकतान्त्रिक सरकारों में सिविल सेवकों की राजनीतिक तटस्थता एक मुख्य सिद्धांत माना गया है। क्या भारत में इसके व्यवहार में पवित्रता बनायी रखी गयी है? विस्तार से समझाइए।

Political neutrality of civil servants has been regarded as one of the cardinal principles in democratic governments. Is its sanctity being maintained in practice in India? Elucidate.

- (b) बजट राज्य-व्यवस्था के वित्तीय स्वास्थ्य का सूचक है, जो उसकी आय और व्यय की विवरणी में प्रतिबिम्बित होता है। विवेचना कीजिए।

Budget is an indicator of financial health of a polity which is reflected in the statement of income and expenditure. Discuss.

- (c) पंचायती राज संस्थाएँ अभी भी राज्य के नियन्त्रण एवं नौकरशाही के प्रभुत्व से ग्रस्त हैं। अपने कथन के पक्ष में तर्क दीजिए।

Panchayati Raj Institutions are still plagued by State control and domination of bureaucracy. Argue your case.

- (d) शहरी स्थानीय शासन हमेशा से वित्तीय स्वायत्तता के अभाव और धन की कमी से पीड़ित रहा है। विस्तार से समझाइए।

Urban local governance is perpetually afflicted with lack of financial autonomy and starvation of funds. Elaborate.

- (e) पुलिस जाँच को अभियोजन से पृथक् करने की लम्बे समय से माँग रही है। इसके गुणों और दोषों का विश्लेषण कीजिए।

There has been a long-standing demand for separation of police investigation from prosecution. Analyze its merits and demerits.

6. (a) भारत के नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय स्वायत्तता के आधारस्तम्भ पर खड़ा है। इस संवैधानिक निकाय के कामकाज संबंधी मुख्य दोषों की विवेचना कीजिए और इसे सुदृढ़ करने हेतु सुझाव भी दीजिए।

The office of the Comptroller and Auditor General of India stands on the pillar of autonomy. Discuss the major lacunae in the functioning of this constitutional body and also suggest measures for its strengthening. 20

- (b) प्रशासनिक सुधारों का कार्यान्वयन विशालकाय एवं जटिल होता है। इन बदलावों को साकार करने में किस धक्के की कमी है?

Implementation of administrative reforms is humongous and arduous. What lacks the push to realize the changes? 20

- (c) सरकार के उच्च अधिकारियों की सेवानिवृत्ति के तुरन्त बाद पुनर्नियुक्ति एक नया चलन बन गया है। इसके फायदे और नुकसान की विवेचना कीजिए।

Immediate post-retirement appointments of high officers of government have become a new trend. Discuss its pros and cons. 10

7. (a) शहरी स्थानीय शासन में वार्ड समितियाँ मात्र कागजी शेर रह गये हैं। स्थानीय पदाधिकारियों के सहयोग से प्रभावी जन-सहभागिता के आदर्श को साकार करना अभी भी दूरस्थ है। सिद्धांत एवं व्यवहार में अंतराल का मूल्यांकन कीजिए।

Ward committees in urban local governance have remained mere paper tigers. The ideal of realizing effective people's participation in collaboration with local functionaries is still in the pipeline. Evaluate the gap in theory and practice.

20

- (b) पुलिस को राजनीति की पकड़ से मुक्त और जवाबदेह बनाने की आवश्यकता है। यह केवल कानून और व्यवस्था के लिए ही नहीं वरन् देश के विकास के लिए भी बड़ी चुनौती है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Police needs to be made accountable and freed from the grip of politics. It is a big challenge not only for law and order but also for the development of the country. Critically examine.

20

- (c) लोक सेवकों को नियम और प्रक्रियाओं का पालन करने के लिए इतना अधिक प्रशिक्षित किया जाता है कि वे ब्यूरो-उन्मादी बन जाते हैं। क्या आप सहमत हैं? औचित्य सिद्ध कीजिए।

Civil servants are trained to follow rules and procedures so much that they become bureaucrazy. Do you agree? Justify.

10

8. (a) “प्रशासन में भ्रष्टाचार और अनाचारों के निराकरण के लिए पर्याप्त कानूनी तंत्र मौजूद हैं, लेकिन वे इस खतरे को किसी ध्यान देने योग्य सोपान तक अंकुश लगाने में विफल रहे हैं।” इस कथन के प्रकाश में भारतीय राज्यों में लोकायुक्त संस्था की प्रभाविकता पर चर्चा कीजिए।

“There are adequate legal mechanisms to address corruption and malpractices in administration, but they have failed to curb the menace to any noticeable degree.” In the light of this statement, discuss the efficacy of the institution of Lokayukta in Indian States.

20

- (b) कमजोर वर्गों के प्रतिनिधित्व के लिए संवैधानिक प्रावधानों के बावजूद उनकी आवाज का पंचायती राज संस्थाओं के दायरे में इच्छित प्रभाव नहीं पड़ रहा है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Despite the constitutional provisions for representation, the voice of weaker sections is not having the desired impact in the realms of Panchayati Raj Institutions. Critically examine.

20

- (c) आदर्श रूप से नागरिक-प्रशासन अन्तराफलक विश्वसनीयता एवं उद्देश्यपूर्णता पर आधारित माना जाता है, वास्तविकता में उसे संदेह, संघर्ष, तनाव और खिंचाव से त्रस्त देखा गया है। क्या आप सहमत हैं? विस्तार से समझाइए।

Ideally citizen-administration interface is supposed to be based on trustworthiness and purposefulness, in reality it is observed to be plagued by suspicion, conflicts, stresses and strains. Do you agree? Elaborate. 10

\*\*\*

15  
1550000